एक नजर में

चिटनिस ने राज्यपाल से की मुलाकात, वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर आनंदमठ की प्रति भेंट

बुरहानपुर । विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस ने आज भोपाल स्थित राजभवन में मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल जी से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की अमर कृति आनंदमठ महामहिम को सादर भेंट की। इस भेंट के माध्यम से राष्ट्रगान वंदे मातरम्के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर विशेष चर्चा हुई। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने बुरहानपुर की श्एक जिला एक उत्पादश् योजना के तहत चयनित प्रमुख उपज कच्चे केले भी माननीय राज्यपाल को भेंट किए। इस दौरान उन्होंने केले उत्पादक किसानों की समस्याओं, उनके उत्पादों के मूल्य संवर्धन और विपणन के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की। भेंट के दौरान माननीय राज्यपाल के साथ विभिन्न समसामयिक एवं विकासात्मक विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। उन्होंने श्विकसित भारत अभियानश् के अवसर पर हुए अपने बुरहानपुर प्रवास की स्मृतियों को सादर स्मरण किया और जिले की प्रगति में योगदान देने वाले सभी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर का कृषि और सांस्कृतिक वैभव मध्यप्रदेश की शान है और ऐसे जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से प्रदेश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

नवलसिंह सहकारी शक्कर कारखाना बॉयलर प्रज्वलन पूजन 11 नवंबर को

बुरहानपुर । नवलसिंह सहकारी शक्कर कारखाना झिरी नवलनगर का पिराई सत्र 2025.2026 प्रारम्भ होने के पूर्व बॉयलर प्रज्वलन पूजन का कार्यक्रम दिनांक 11/11/2025 मंगलवार को प्रातः 11.00 बजे एवं गन्ना पिराई शुभारंभ दिनांक 25/11/2025 मंगलवार को प्रातः 10.30 बजे होना सुनिश्चित है। कारखाना प्रबंधन द्वारा समस्त गन्ना उत्पादक कृषकों को उपरोक्त सूचना प्रेषित की गई है।

युवा कांग्रेस के बुरहानपुर विधानसभा अध्यक्ष ठाकुर देवेश्वर सिंह ने माना सभी का आभार

बुरहानुपर। विगत दिनों सम्पन्न हुए युवा कांग्रेस के चुनाव में बुरहानपुर विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद पर ठाकुर देवेश्वरसिंह ने शानदार जीत दर्ज की। अपने निर्वाचन पर ठाकुर देवेश्वर सिंह ने कहा कि मेरे समस्त परिवार के खुन में कांग्रेस रची बसी है। मुझ पर आपने जो विश्वास व्यक्त किया है मैं उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। जो महत्वपूर्ण जिम्मदोरी मुझे मिली है उसे पुरी निष्ठाए इमानदारी और कर्मठता से निभाउंगा। कांग्रेस संगठन को मजबूत करना और युवाओं को कांग्रेस से जोडना ही मेरी प्रथम प्राथमिकता रहेगी। सबको साथ लेकर कांग्रेस की रिति निति का प्रचार प्रसार करना हमारा संकल्प रहेगा। विधानसभ अध्यक्ष निर्वाचित होने पर ठाकुर देवेश्वरसिंह ने शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश के समस्त वरिष्ठजनों, बुरहानपुर जिले के समस्त कांग्रेसजनों का, युवा कांग्रेस के समस्त मतदाता साथियों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि आप सभी का आर्शिवाद, सहयोग और मार्गदर्शन मुझे प्राप्त होगा। यही आप सभी से आशा है।

वन्दे मातरम् हमें शक्ति एवं ऊर्जा देता है

बुरहानपुर । वन्दे मातरम् ने 150वर्षों की यात्रा पूर्ण की है। यह दो शब्द हमारे स्वतंत्रता आन्दोलन के प्रेरक शक्ति बने थे। आजभी जब हमें शक्ति एवं ऊर्जा का संचार करना हो तो वन्दे मातरम् का उद्घोष इसमें सहायक हो जाता है। यह गीत हमें धरती से जोड़ता है। प्रकृति के शस्य श्यामल स्वरूप के दर्शन कराता है और फलदायी संस्कृति से हमें जोड़ता है। यह विचार प्रो. सुरेन्द्र जैन भारती ने न्यू इन्दिरानगर स्थित जैन हैप्पी स्कूल में आयोजित वन्दे मातरम् गायन कार्यक्रम में व्यक्त किये। स्कूल डायरेक्टर. इन्द्रा जैन, प्राचार्य.वासुदेव खरचे, डॉ.अश्विनी महाजन,ज्योति पवार,पूजा छत्रे के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने समवेत स्वर में वन्दे मातरम् का गायन किया।

सतर्कता जागरूकता अभियान अंतर्गत ग्राम सभा एवं ग्राहक मीटिंग का आयोजन

बुरहानपुर । मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक की शाखा बुरहानपुर शुक्रवार को शाखा बुरहानपुर द्वारा ग्राम जयसिंहपुरा में सतर्कता जागरूकता अभियान अंतर्गत ग्राम सभा का आयोजन किया गया। एवं शाखा लालबाग द्वारा शाखा परिसर में ग्राहक मीटिंग का आयोजन किया गया ।सभा में क्षेत्रीय कार्यालय से पधारे वरिष्ठ प्रबंधक श्री तपन सातरकर ए शाखा बुरहानपुर प्रबंधक श्री सुनील कुमार पाटीदार एवं शाखा लालबाग प्रबंधक श्री रोहित पाटीदार द्वारा ग्रामवासियों एवं ग्राहकों को सतर्कताए भ्रष्टाचार उन्मूलनए पारदर्शिता और नैतिक जिम्मेदारी और जवाबदेही के संबंध में जानकारी प्रदान की गई ।एवं नियमित ऋ्रण अदा करने वाले ग्राहको का सम्मान किया गयाए अंत में लालबाग शाखा प्रबंधक द्वारा आभार व्यक्त किया गया ।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में राष्ट्र गीत वंदेमातरम का गायन

नेपानगर । राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जगह जगह आयोजित हुए। इसी तरह प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस में भी एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुरुआत छात्रों द्वारा सामूहिक रूप से वंदे मातरम के गायन से हुई जिससे वातावरण देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वदेशी की शपथ ली और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराया। विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के उद्बोधन को सुना। प्राचार्य डॉ.मनीषा साकल्ले, जेम्स मिंज सहित स्टाफसदस्य और विद्यार्थी मौजूद रहे।

ताप्ती मिल चालू करने को लेकर श्रमिकों का धरना

केन्द्र एवं राज्य सरकार से मांग : वेतन, बोनस, बढ़े हुए मानदेय और श्रमिकों के स्थायीकरण

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर । एनटीसी की लालबाग स्थित ताप्ती मिल के श्रमिकों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुवें ताप्ती मिल गेट के सामने 10 माह का वेतन , बोनस , बढ़े हुए मानदेय और श्रमिकों के स्थायीकरण की मांग की । उन्होने जमकर नारेबाजी करते हुवें कहा कि आज हमारे सामने रोजी,रोटी की समस्या खडी हो गई है। वही बच्चों की स्कुल फीस भरना भी मुश्किलभरा हो गया है। अब हमारे सामने विरोध प्रदर्शन के अलावा कोई विकल्प नजर नही आ रहा है। इस दौरान पांच श्रमिक संगठन एक जुट होकर प्रदर्शन में शामील हुवें। उन्होने केन्द्र एवं राज्य सरकार से मांग की है कि साढे चार वर्षो से बंद मिल को चालु किया जाकर उनका 10 माह का वेतन, बोनस , बढ़े हुए मानदेय और श्रमिकों के स्थायीकरण किया जावे।

श्रमिकों का कहना है कि उन्हें नवंबर 2004 से जून 2005 तक आठ महीने का वेतन नहीं मिला है। इसके अलावा कोरोना काल के बाद जून 2023 से 17 महीने का आधा वेतन भी लंबित है। मिल में उत्पादन बंद होने के बावजूद इसे रिकॉर्ड में चालू दिखाया जा रहा है। उन्होने कहा कि क्षेत्रिय सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने वस्त्र मंत्रालय दिल्ली की सचिव निलम शम्मी राव से मुलाकात कर श्रमिकों की समस्या से अवगत कराया था। वही सचिव ने भी अगस्त तक वेतन भुगतान किए जाने का आश्वासन दिया था, लेकिन नवंबर तक भुगतान न होने के कारण अब श्रमिक विरोध प्रदर्शन पर उतर आया है ।

भारतीय मिल परिषद के अध्यक्ष विजय कार्ले ने बताया कि पिछले साढ़े चार साल से श्रमिकों की आर्थिक स्थिति खराब है। उन्होंने 10 महीने का बकाया वेतन,तीन साल का बोनस और मिल को जल्द से जल्द चालू करने की मांग की। कार्ले ने यह भी बताया कि श्रमिकों की वार्षिक 85 रुपए की मजदूरी वृद्धि टेक्सटाइल क्षेत्र से बाहर कर दी गई, जबकि पूर्व में यह लागू होती थी।

उन्होंने इस मांग को पूरा करने की भी बात कही। इस आंदोलन में भारतीय मिल मजदूर संघ, ताप्ती मिल श्रमिक संघ,भारतीय किसान मिल मजदूर परिषद और कर्मचारी यूनियन के सदस्य, पदाधिकारी और श्रमिक शामिल हुए।

कॉंग्रेस नेता शैली कीर ने भी बुरहानपुर ताप्ती मिल को पुनः चालू करने के लिए पांच श्रमिक संगठनो के नेतृत्व में रखें धरने प्रदर्शन में उपस्थित होकर उनका समर्थन किया एवं अपनी बात रखी।

केंद्रीय विद्यालय में लगा स्वास्थ्य शिविर

नवभारत न्यूज, नेपानगर। केंद्रीय विद्यालय नेपानगर के विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। नेपा लिमिटेड अस्पताल और गुरु गोविंद सिंह दंत चिकित्सा विज्ञान व अनुसंधान केंद्र बुरहानपुर के सहयोग से किया गया। कमोडोर अरविंद वढेरा अध्यक्ष केंद्रीय विद्यालय नेपानगर व सीएमडी नेपा लिमिटेड ने छात्रों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की। इस आयोजन में अत्यधिक कुशल बहु विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक टीम एकत्रित हुई जो व्यापक चिकित्सा जाँच और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित थी। यह शिविर गुरु गोविंद सिंह दंत चिकित्सा विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र, बुरहानपुर और नेपा लिमिटेड अस्पताल की चिकित्सा टीम के कुशल नेतृत्व में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और सीएमडी कमोडोर अरविंद वडेरा और केंद्रीय विद्यालय नेपानगर के प्राचार्य रामावतार यादव के अथक सहयोग से आयोजित किया गया था। शीर्ष स्तर के चिकित्सा पेशेवरों की एक टीम ने छात्रों की सावधानीपूर्वक जांच की। भारतीय नौसेना नई दिल्ली में कार्यरत डॉ हर्ष किरण वडेरा,गुरु गोविंद सिंह डेंटल कॉलेज की मेडिकल टीम डॉ बिंदु अर्जुन, डॉ अबुजर, डॉ शोएब और डॉ फरहा द्वारा विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्शए विस्तृत जांच और आवश्यक स्वास्थ्य सलाह प्रदान की गई।

मातृ सेवा हॉस्पिटल को मोर्चरी बॉक्स प्रदान

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। दी अपना कमर्शियल क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी बुरहानपुर ने अपने रजत जयंती वर्ष 2025 के उपलक्ष में आम जनमानस के लिए निशुल्क उपलब्ध किए जाने वाले मोर्चरी बॉक्स आरोग्य सेवा मंडल मातृ सेवा सदन हॉस्पिटल को दान किया।

इस अवसर पर आरोग्य सेवा मंडल अध्यक्ष मनमोहन सिंह बिंद्रा ,सचिव सुमित बोरले ,माधव बिहारी अग्रवाल ,जतन लाल सेठिया ,संतोष श्रॉफ ,अपना कमर्शियल क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी संस्थापक अध्यक्ष नीरज कक्कड़ ,अध्यक्ष शरद मोरे ,संचालक धीरज पवार ,राजेंद्र लाड ,डॉ नरेंद्र राजपूत ,समाधान चौधरी एवं संस्था का स्टाफ मौजूद था। संस्थापक अध्यक्ष नीरज कक्कड़ ने बताया कि आम जनमानस के लिए निशुल्क ऑक्सीजन सिलेंडर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर सर्जिकल बेड कमोड चेयर वगैरा अपना कमर्शियल क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी न्यामतपुरा से निशुल्क प्रदान की जाएगी।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुरहानपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम परमानन्द गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम में बड़े उत्साह और देशभक्ति माहौल के साथ आयोजित रहा। इस ऐतिहासिक अवसर परए जिले वासियों ने राष्ट्रगीत के गौरवशाली इतिहास को याद किया और देश की एकता व अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप. प्रज्वलन के साथ हुआ। राष्ट्रगीत वंदे मातरम गायन के साथ कार्यक्रम में उपस्थितजनों ने नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा और सुना। इस अवसर पर कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने उपस्थितजनों को स्वदेशी अपनाएँ की शपथ भी दिलाई।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने कहा किए आज हम राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हमें राष्ट्रहित में सहयोग के लिये हमेशा तत्पर रहना चाहिए। इस दौरान एसपी देवेन्द्र पाटीदार ने राष्ट्रगीत ष्वंदे मातरम्ष् के इतिहास एवं महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने संबोधन से उपस्थितजनों को लाभान्वित किया।

आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण,अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतंर सिंह कनेश, नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव, अधिकारी.कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

वंदे मातरम् केवल राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और स्वतंत्रता का प्रखर स्वर .सीएमडी

नेपानगर। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में शुक्रवार को वंदे मातरम् का सामूहिक गान आयोजित किया गया। यह आयोजन केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा वर्षभर चलाए जा रहे वंदे मातरम् के 150 वर्षों के स्मरणोत्सव की श्रृंखला का हिस्सा है। अध्यक्षता सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा विशिष्ट सेवा मेडल ने की। उपस्थित अफसर कर्मियों को संबोधित करते हुए सीएमडी वढेरा ने कहा वंदे मातरम् केवल राष्ट्रगीत नहींए बल्कि भारत की आत्मा और स्वतंत्रता संग्राम का सबसे प्रखर स्वर है। यह गीत आज भी हमें एकताए समर्पण और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संस्थान के सभी आयोजन उत्साह और राष्ट्रीय भावना के साथ संपन्न होते रहेंगे। मुख्य महाप्रबंधक और कारखाना प्रबंधक राम अलागेसन ने कहा कि नेपा लिमिटेड राष्ट्रनिर्माण की यात्रा में सात दशकों से निरंतर योगदान दे रहा है। वंदे मातरम् हमें यह स्मरण कराता है कि देशहित सर्वोपरि है और सामूहिक अनुशासन किसी भी संस्थान की वास्तविक शक्ति है। सामूहिक गान के दौरान उप महाप्रबंधक वाणिज्य कार्य सुरेंद्र मेहता, वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिक प्रशासन ज्ञानेश्वर खैरनार सहित विभिन्न संयंत्रों और विभागों में कार्यरत कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

यह उपलब्धि हमारे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी : अमोल भगत

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर । स्थानीय खेल जगत में खुशी की लहर दौड़ गई जब हमारे क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल और एथलेटिक्स में चयन हुआ ।

राष्ट्रीय स्तर मैच ग्वालियर में संपन्न हुआ जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए बुरहानपुर जिले से वॉलीबॉल के लिए पांच खिलाड़ी अंडर.19 के लिए चयन हुआ । इसमें ज्योति दशोरे, देवयानी महाजन, ध्रुव कुमरावत, मंथन धामनोदकर, मनीष पालवी, जयशिवा जाधव और एथलेटिक्स के लिए राहुल कापसे, प्रशांत सोनवाने इंडियन गेम्स एंड स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वॉलीबॉल और एथलेटिक्स के सभी खिलाड़ी बुरहानपुर जिले से सम्मिलित होने जा रहे हैं।

यह प्रतियोगिता दिनांक 19 नवंबर से 26 नवंबर तक नेपाल होने जा रही है सभी खिलाड़ियों का लोकमाता अहिल्या देवी मंडल द्वारा पुष्पमाला पहनकर मिठाई खिलाकर सभी का स्वागत किया।

मंडल अध्यक्ष अमोल भगत ने कहा हमारे जिले के लिए यह गर्व की बात है बेटों के साथ.साथ बेटियां भी हर क्षेत्र में अपना नाम उच्च स्तर पर लहरा रही है सभी खिलाड़ियों ने लगातार कड़ी मेहनत कर अपनी योग्यता साबित की है यह चयन पूरे बुरहानपुर जिले के लिए गौरव की बात है उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन मेहनत और समर्पण के चलते यह उपलब्धि हासिल हुई है सभी को मंडल की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की गई एवं विजय भव के नारे के साथ सभी खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया गया जरूर यह टीम नेपाल जाकर बुरहानपुर के खिलाड़ी अपना नाम रोशन कर मैच विजय होगे। कोच ममता देव ने कहा जब यह टीम कलेक्टर श्री हर्ष सिंह से मिलने पहुंची तो युवा टीम को कलेक्टर द्वारा शुभकामना देकर 25000/– की राशि इस टीम को प्रदान की गई।

इस दौरानयुवा नेता गजेंद्र पाटिल, बलराज नवानी,ईश्वर चौहान, चिंतामण महाजन,भरत मराठे, अंकित व्यास, कमलेश दलाल, गंगा तायड़े, कल्पना दलाल, संदीप महाजन, भीमराज महाजन, चेतन शाह,दिलीप चौरे,हितेश भगवे,आकाश वाघमारे, राजेश खत्री, जितेन्द्र परदेशी आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेलवे सलाहकार समिति की सांसद से वास्कोडिगामा गोवा एक्सप्रेस के बुरहानपुर में स्टापेज मांग

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर । बुरहानपुर रेल्वे सलाहकार समिति के अब्दुल हमीद सुपारीवाले, मंसुर सेवक एंव राम कुमार अग्रवाल ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटील से मुलाकात कर मांग की है कि वे वास्कोडिगामा गोवा एक्सप्रेस, जबलपुर गरीब रथ,लखनऊ पुणे एक्सप्रेस,ज्ञान गंगा एक्सप्रेस जैसी रेलगाडीयों का बुरहानुपर में स्टापेज प्रारम्भ कराए। उल्लेखनिय है कि विगत 16 वर्षो से रेल्वे सलाहकार समिति निरंतर रेल गाडीयों के स्टापेज,रेल्वे स्टेशन पर सुविधाए उपलब्ध कराने एवं पटरीयों व प्लेटफार्म के बुरहानुपर से बडते आवागमन को देखते हुवे विस्तारीकरण की मांग की। जिस पर सांसद श्री पाटील ने उन्हे आस्वस्त कराया कि वे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर इन्हे जल्द पुरा करायेगें।

एक नजर — क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वाधान में हुई राष्ट्रीय कार्यशाला

रामायण काल में ज्ञान का केंद्र धर्म नीति कर्तव्य और आदर्श जीवन पर था : शर्मा

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर । क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगोन में राष्ट्रीय कार्यशाला विषय भारतीय शोध पद्धति की अवधारणा का आयोजन क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगोन और शिक्षा संस्कृति उत्थान नई दिल्ली मालवा प्रांत के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई ।

जिसमें मुख्य अतिथि गजेन्द्र पटेल सांसद खरगोन बड़वानी,अध्यक्षता शिक्षाविद ओमप्रकाश शर्मा राष्ट्रीय संयोजक शिक्षा से आत्मनिर्भर भारत मध्य क्षेत्र संयोजक शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली, डॉ राकेश दण्ड शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली ,डॉ मोहन लाल कोरी कुलगुरु तथा मुख्य वक्ता द्वय प्रो.डॉ जितेन्द्र शर्मा प्राचार्य चौधरी चरणसिंह विष्वविद्यालय अग्रसेन इंस्टीट्यूट आफ प्रो स्टडीज रिसर्च सिकंदराबाद उत्तरप्रदेश , डॉ आशीष जनकराय दवे प्राचार्य एवं डीन. वाणिज्य संकाय गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद समर्पण आट्र्स एंड कॉमर्स कॉलेज गांधीनगर गुजरात,राष्ट्रीय कार्यशाला के संयोजक डॉ मनोहर दास सोमानी कुलसचिव सह.संयोजक ,डॉ कृष्णा मोरे जिला संयोजक जिला बुरहानपुर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली मालवा प्रांत एवं आमंत्रित अतिथि वक्ता डॉ ए .के. द्विवेदी थे।

सर्वप्रथम जिला संयोजक डॉ कृष्णा जी मोरे द्वारा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली मालवा प्रांत का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय कार्यशाला के आधार स्तंभ श्री ओमप्रकाश जी शर्मा है जिनके आशीर्वाद और मार्गदर्शन में यह राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा सकी। सांसद गजेंद्र जी पटेल ने अपने भाषण में राष्ट्रीय कार्यशाला की शुभकामनाएं प्रदान की तथा सभी विद्वानों का आदर पूर्वक सम्मान किया उन्होंने कहा कि गुरु ही शिष्य को राह दिखाता है।

न्यास के डॉ राकेश जी दण्ड ने अपने भारतीय शोध पद्धति की अवधारणा पर अपने वकतव्य में कहा कि भारतीय शोध पद्धति की प्राचीनता और भारतीय शोध पद्धति की विस्तृत व्याख्या की।

राष्ट्रीय स्तर विषय विशेषज्ञ मुख्य वक्ता प्रो.डॉ जितेन्द्र शर्मा ने भारतीय शोध पद्धति का सुक्ष्म अवलोकन कर बताया कि भारतीय शोध पद्धति की प्राचीन शोध पद्धति अनेक प्रकार की थी यह सभी पद्धतियां वैज्ञानिक और प्रयोग आधारित थी इन भारतीय शोध पद्धतियों से ही नवीन शोध पद्धतियों का विकास हुआ है। डॉ आशीष जनक राय दवे ने कहां की भारतीय शोध पद्धति की अवधारणा और भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल्यांकन करना आसान काम नहीं है हमारे ज्ञान परंपरा से समूचा विश्व ज्ञान प्राप्त कर रहा है। डॉ ए.के . द्विवेदी ने व्याख्यान में भारतीय ज्ञान परंपरा और होम्योपैथी चिकित्सा के बारे में बताया। कुलगुरु डॉ मोहन लाल जी कोरी तथा कुलसचिव डॉ.मनोहर दास सोमानी कुल सचिव क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्व विद्यालय खरगोन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भारतीय शोध पद्धति विश्व की सबसे प्राचीन शोध पद्धति है

राष्ट्रीय कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे शिक्षाविद ओमप्रकाश शर्मा राष्ट्रीय संयोजक शिक्षा से आत्मनिर्भर भारत मध्य क्षेत्र संयोजक ने भारतीय शोध पद्धति की अवधारणा और भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्णन करते हुए बताया कि हमारी भारतीय शोध पद्धति विश्व की सबसे प्राचीन शोध पद्धति है। भारतीय ज्ञान परंपरा का आरंभ वैदिक काल से हुआ जब वेद उपनिषद ब्राह्मण ग्रंथों में धर्म दर्शन विज्ञान गणित खगोल चिकित्सा और समाज के मूल सिद्धांतों का विस्तार हुआ। रामायण काल में ज्ञान का केंद्र धर्म नीति कर्तव्य और आदर्श जीवन पर था। उस काल में ऋषि.मुनियों के आश्रम शिक्षा के प्रमुख केंद्र थे जहां जीवन.मूल्य संस्कार और लोककल्याण का ज्ञान दिया जाता था। महाभारत काल में ज्ञान परंपरा और भी विकसित हुईए विशेष रुप से भगवद्गीता में कर्म ज्ञान और भक्ति के समन्वय का दर्शन प्रस्तुत हुआ। हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा के आधार वेद पुराण उपनिषद आरण्यक आयुर्वेद तथा हमारे संस्कार है रामायण महाभारत हमारे अनमोल ग्रंथ है भगवतगीता हमें जीवन का पथ प्रदर्शित करती है। हमारी सनातन संस्कृति पुरातन है जिसने हमेशा ही विश्व के देशों का मार्ग प्रशस्त किया है। श्री शर्मा ने कहा कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली देश भर में शिक्षा के विकास लिए काम करती है यह कोई संस्था नहीं है यहां का हर कार्यकर्ता एक दूसरे से प्रेम की डोर से बंधा हुआ है पिछले दिनों हमने भारत देश को इंडिया नहीं भारत कहें अभियान चलाया था जिसमें हमें अभूतपूर्व सफलता मिली। न्यास का सूत्र वाक्य देश को बचाना है तो शिक्षा में सुधार करो मां मातृभाषा और मातृभूमि का कोई विकल्प नहीं है समस्या पर नहीं समाधान पर चर्चा करें और सभी शैक्षणिक संस्थानों में वीर बाल दिवस को मनाने का आह्वान भी किया।